PDF Complete
Your complimentary use period has ended. Thank you for using PDF Complete.
Click Here to upgrade to Unlimited Pages and Expanded Features

निर्मुक्ति विलेख

यह निर्मुक्ति विलेख दिनांक.....माह.....सन्.....को श्री .... आत्मज .....आयु.....वर्ष निवासी.....(जिसे आगे निर्मुक्तिकर्ता कहा गया है) एवं जो इस विलेख का प्रथम पक्षकार है तथा .... आत्मज ..... आयु.....वर्ष निवासी..... (जिसे आगे निर्मुक्तिग्रहिता कहा गया है) एवं जो इस विलेख का द्वितीय पक्षकार है, के बीच ..... (ग्राम/शहर का नाम) में निष्पादित किया गया ।

यह कि निर्मुक्तिकर्ता एवं निर्मुक्तिग्रहिता आपस में सगे भाई हैं और अपने पिता स्वर्गीय श्री..... के केवल दो वारिस हैं ।

यह कि एक भूखण्ड जिसका विस्तृत विवरण नीचे अनुसूची में दिया है, के दोनों पक्षकार अपने पिता के स्वर्गवास के पश्चात् संयुक्त रूप से सहस्वामी होकर अधिपत्यधारी हैः–

अनुसूची
(भू-खण्ड का विस्तृत विवरण.)

यह कि उपरोक्त भूखण्ड में निर्मुक्तिकर्ता का जो आधा हिस्सा है, वह उस हिस्से की एवज ..... रू. के प्रतिफल के निर्मुक्तिग्रहिता के हक में अपना तमाम हक, हकूक एवं अधिकार परित्याग करता है । निर्मुक्तिकर्ता द्वारा निर्मुक्तिग्रहिता से उक्त राशि नगद प्राप्त कर ली गई है, जिसकी प्राप्ति वह स्वीकार करता है । अब हक परित्याग करने के लिए कोई रकम द्वितीय पक्ष पर बकाया नहीं है ।

यह कि आगे से इस संपूर्ण भूखण्ड का मालिक निर्मुक्तिग्रहिता होगा तथा निर्मुक्तिकर्ता का कोई हिस्सा, हक एवं अधिकार नहीं होगा और न ही उसके दायाद, प्रशासक, अभिहस्तांकिती, उत्तराधिकारी इस पर अपना कोई हक, हिस्सा एवं अधिकार का दावा कर सकेंगे । निर्मुक्तिग्रहिता एवं उसके उत्तराधिकारी, दायाद, प्रशासन, अभिहस्तांकिती उसका उपयोग एवं उपभोग कर सकेंगे, किसी को हस्तांतरित कर सकेंगे ।

लिहाजा यह निर्मुक्ति विलेख अपनी राजी खुशी से बिना किसी नशे पते एवं बेजा दवाब के निर्मुक्तिग्रहिता के हक में अपनी स्वेच्छा एवं स्थिर चित की हालत में निम्न साक्षियों के समक्ष पढ़, सुन, समझकर लेखबद्ध कर दिया है, ताकि सनद रहे एवं वक्त जरूरत काम आए ।

साक्षीगण :–

(1) .....

(2) .....

हस्ताक्षर .....
(निर्मुक्तिकर्ता)

हस्ताक्षर .....
(निर्मुक्तिग्रहिता)